पाठ ⇒ 7 जीवों में विविधता

प्र0.1 लाभ है?

1. जीवों के वर्गीकरण से लाभ ⇒ जीवों के वर्गीकरण की सहायता से विभिन्न प्रकार के जीवों में पाई जाने वाली समानता एवं विभिन्नता का ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं।

2. जीवों का वर्गीकरण करने से हमें जीवों के अध्ययन में सुविधा होती है।

3. जीवों के विकासक्रम का ज्ञान होता है।

4. जीवों के पारस्परिक सम्बन्धों का ज्ञान होता है।

प्र0.2 करेंगे?

कोशिकीय संरचना, शारीरिक संगठन, पोषण के स्रोत एवं विधियों के आधार पर वर्गीकरण में पदानुक्रम निर्धारित किया जाता है। वर्गीकरण के विभिन्न पदानुक्रम निम्नवत् हैं—

जगत् → संघ → वर्ग → गण → कुल → वंश → जाति।

प्र0. 3 कीजिए।

आर. एच. ह्विटेकर [1959] ने समस्त जीवों को कोशिकीय संरचना, पोषण के स्रोत तथा भोजन ग्रहण करने की विधि और शारीरिक संगठन के आधार पर निम्नलिखित 5 जगत में बाँटा था⇒ 1. मोनेरा 2. प्रोटिस्टा 3. फंजाई 4. प्लान्टी 5. एनीमेलिया।

1. मोनेरा ⇒ इसके अन्तर्गत उन एककोशिकीय प्रोकैरियोटी जीवों को रखा गया है जिनमें कुछ में कोशिका भित्ति पाई जाती है तथा कुछ में नहीं। पोषण के आधार पर ये स्वतोषी या विषमपोषी दोनों